

झाँसी जिले के विकास में विपणन केंद्रों की भूमिका: एक भौगोलिक अध्ययन – अनुसंधान के अवसर और विश्लेषणात्मक ढाँचा

डॉ. आशा सिंह

सहायक आचार्य

भूगोल विभाग अभिनव प्रज्ञा परास्नातक महाविद्यालय

सरीला, हमीरपुर

Contact : +91- 8173945604; singhasha522@gmail.com

परिचय:

यह प्रारंभिक खंड झाँसी के विकास में विपणन केंद्रों की भूमिका को समझने के लिए संदर्भ स्थापित करेगा, जिसमें इसकी भौगोलिक विशेषताओं, ऐतिहासिक वाणिज्यिक विकास और समकालीन आर्थिक परिदृश्य का विस्तृत विवरण दिया जाएगा।

A. भौगोलिक और कृषि-जलवायु संदर्भ

झाँसी जिला उत्तरी भारत में उत्तर प्रदेश राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित है। यह उत्तर में जालौन जिले, पूर्व में हमीरपुर और महोबा जिलों, दक्षिण में मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले और पूर्व में मध्य प्रदेश के दतिया जिले से घिरा है। ललितपुर जिला, जो दक्षिण में पहाड़ी क्षेत्र तक फैला हुआ है, एक संकीर्ण गलियारे द्वारा झाँसी जिले से जुड़ा हुआ है ¹। झाँसी शहर स्वयं जिले और कमिश्नरी का मुख्यालय है, जो पहुज और बेतवा नदियों के बीच 285 मीटर (935 फीट) की औसत ऊँचाई पर स्थित है ¹।

झाँसी उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड कृषि-जलवायु क्षेत्र (जोन 6) के अंतर्गत आता है ⁵। जिले की मिट्टी अपनी अलग-अलग गहराई, स्थलाकृतिक स्थितियों और रंगों से पहचानी जाती है, जिसे मोटे तौर पर लाल और काली मिट्टी के समूहों में वर्गीकृत किया गया है। स्थानीय रूप से, चार मिट्टी श्रृंखलाओं को मान्यता प्राप्त है: राकर, परवा, कबर और मार। मिट्टी की बनावट पथरीली, बजरीदार, रेतीली, रेतीली दोमट से लेकर चिकनी दोमट तक भिन्न होती है, जिसमें हल्की से लेकर तीव्र (0.5 से 10%) ढलान होती है और कार्बनिक पदार्थ तथा जल धारण क्षमता कम से मध्यम होती है ⁵। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 884.6 मिमी है, जिसमें से 90% मानसून के मौसम में प्राप्त होती है ⁵। इसके बावजूद, सूखे और लंबी शुष्क अवधि जिले में एक आम विशेषता है, जो खरीफ और रबी उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है ⁵। सिंचाई के मुख्य स्रोत जलाशय, नहरें और ट्यूबवेल हैं, जो पूरी तरह से वर्षा पर निर्भर हैं ⁵।

मिट्टी के विभिन्न प्रकारों (राकर, परवा, कबर, मार) और मानसून वर्षा पर अत्यधिक निर्भरता के साथ-साथ बार-बार सूखे की स्थिति झाँसी में कृषि उत्पादकता में अंतर्निहित असमानता और महत्वपूर्ण जलवायु जोखिमों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। यह भौगोलिक विषमता और भेद्यता बताती है कि विपणन केंद्रों को आपूर्ति में उतार-चढ़ाव के अनुकूल होना चाहिए, जिसके लिए विभिन्न उत्पादों के लिए विशेष बुनियादी ढाँचे और किसानों के लिए मजबूत जोखिम प्रबंधन तंत्र की आवश्यकता हो सकती है। इन मिट्टी के प्रकारों और सिंचाई तक पहुँच का स्थानिक वितरण विभिन्न उप-क्षेत्रों में विपणन के लिए उपलब्ध फसलों के प्रकार और मात्रा को सीधे प्रभावित करेगा। कृषि चुनौतियों के बावजूद, एक जिला मुख्यालय के रूप में झाँसी की स्थिति और इसकी कनेक्टिविटी ¹ का अर्थ है कि यह अपने और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कृषि उपज के लिए एक प्राकृतिक एकत्रीकरण बिंदु के रूप में कार्य करता है। भौगोलिक केंद्रीयता इसे विभिन्न मिट्टी के प्रकारों से विविध उपज एकत्र करने और इसे बड़े बाजारों में वितरित करने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

B. व्यापार और वाणिज्य का ऐतिहासिक विकास

ऐतिहासिक रूप से, झाँसी चेदि राष्ट्र, जेजाक भुक्ति और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों का हिस्सा था, जो चंदेल राजाओं का एक गढ़ था ⁶। बलवंतनगर के नाम से जाना जाने वाला यह स्थान 17वीं शताब्दी में ओरछा के राजा बीर सिंह देव के अधीन प्रमुखता से उभरा, जिन्होंने 1613 में झाँसी किले का निर्माण किया ⁴। मराठा शासन के तहत, विशेष रूप से रघुनाथ राव (द्वितीय) नेवालकर (1769 के बाद) के कुशल प्रशासन के दौरान, झाँसी का राजस्व बढ़ा, और महालक्ष्मी मंदिर और रानी महल जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया गया ⁶। रघुनाथ राव (द्वितीय) नेवालकर का राज्य राजस्व बढ़ाने और बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना ⁶ आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए एक जानबूझकर नीति को दर्शाता है। यह इंगित करता है कि मराठा काल के दौरान, विपणन केंद्रों को प्रशासनिक सहायता से लाभ हुआ, जिससे संभवतः अधिक संगठित व्यापार और वाणिज्यिक यातायात में वृद्धि हुई, जो भविष्य के विकास के लिए एक नींव तैयार करती है।

19वीं शताब्दी तक, झाँसी एक प्रमुख सड़क और रेल जंक्शन था ²। ब्रिटिश अभिलेखों में इसके "विशाल" वाणिज्यिक यातायात का उल्लेख है, जिसमें अनुमानित 3 मिलियन रुपये का सामान प्रति वर्ष झाँसी से होकर गुजरता था ⁴। प्रमुख वस्तुओं में अनाज (दक्षिण/दक्षिण-पश्चिम से उत्तर तक), कपास (पश्चिम से कालपी तक), और नमक (पश्चिम से) शामिल थे। बदले में, दक्षिण और पश्चिम के व्यापारी झाँसी से चीनी और विभिन्न "किराना" सामान खरीदते थे ⁴। अनाज, कपास और नमक व्यापार के लिए एक केंद्र के रूप में झाँसी का ऐतिहासिक विवरण ⁴ सीधे तौर पर उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारों के लिए "भारत के चौराहे" के रूप में इसकी आधुनिक स्थिति ⁴ की भविष्यवाणी करता है। यह निरंतरता बताती है कि एक पारगमन और वितरण बिंदु के रूप में झाँसी का भौगोलिक लाभ सदियों से इसके वाणिज्यिक महत्व का एक सुसंगत चालक रहा है। झाँसी में विपणन केंद्र ऐतिहासिक रूप से इस कनेक्टिविटी पर फले-फूले हैं, और आधुनिक बुनियादी ढाँचे का विकास (राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना, एक्सप्रेसवे) इस अंतर्निहित भौगोलिक लाभ को बढ़ाना चाहता है। झाँसी में रेशम बुनाई की एक समृद्ध परंपरा है ¹⁰ और यह हस्तनिर्मित बुने हुए और कशीदाकारी सॉफ्ट खिलौनों के लिए जाना जाता है, जिसमें 50 से अधिक उत्पादन इकाइयाँ दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों को आपूर्ति करती हैं ¹¹। रेशम बुनाई और सॉफ्ट खिलौना निर्माण जैसे विशिष्ट उद्योगों की उपस्थिति ¹⁰ कृषि व्यापार के साथ-साथ यह दर्शाती है कि झाँसी का वाणिज्यिक इतिहास केवल कृषि पर आधारित नहीं था। इस विविधीकरण का अर्थ था कि इसके विपणन केंद्र उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की सेवा करते थे, जिससे एक अधिक मजबूत और विविध आर्थिक आधार में योगदान होता था, एक विशेषता जो आज भी बनी हुई है।

C. समकालीन आर्थिक परिदृश्य

झाँसी जिले का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2020-21 में ₹13,658.51 करोड़ रुपये (वर्तमान कीमतों पर) था ¹²। उत्तर प्रदेश समग्र रूप से भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो 7% सीएजीआर (वित्त वर्ष 2016-20) पर बढ़ रही है और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 8% का योगदान करती है ¹²। झाँसी का जीएसडीपी वर्तमान कीमतों पर 2020-21 में ₹20,19,873 लाख था, और इसका शुद्ध घरेलू उत्पाद ₹17,57,719 लाख था ³। 2020-21 में झाँसी में प्रति व्यक्ति आय (एनडीडीपी, फैक्टर कॉस्ट पर) वर्तमान कीमतों पर ₹79,852 और स्थिर कीमतों पर ₹48,949 थी ³।

जिले की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कृषि है, जिसमें मुख्य उत्पाद गेहूं, जौ, मटर, चना, धान, मूंगफली, विभिन्न प्रकार की दालें और तिल शामिल हैं ³। उत्पादन बढ़ाने के लिए नई कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाया जा रहा है ³। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उत्तर प्रदेश में एक जीवंत, रोजगारोन्मुखी और लचीला क्षेत्र है, जो कम पूंजी लागत पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्रदान करने और ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के औद्योगीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ¹³। एक शोध पत्र में झाँसी में एमएसएमई के वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया, जिसमें लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित किया गया ¹³। उत्तर प्रदेश सरकार झाँसी में एक "नया नोएडा" विकसित करने की योजना बना रही है, जिसमें बुंदेलखंड औद्योगिक विकास

प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी। इसमें ₹6,312 करोड़ की लागत से 35,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण शामिल है, जिसमें झाँसी-गालियर गलियारे के साथ एक औद्योगिक शहर के लिए 14,000 हेक्टेयर पर प्रारंभिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस विकास से रक्षा गलियारे को बढ़ावा मिलने और क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है ¹⁴।

2011 की जनगणना के अनुसार, झाँसी जिले की जनसंख्या 1,998,603 थी, जिसमें प्रति 1000 पुरुषों पर 890 महिलाएँ थीं और जनसंख्या घनत्व 398 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था ³। झाँसी जिले में शहरीकरण का स्तर (2011 तक) लगभग 42.0% है, जो बुंदेलखंड क्षेत्र के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी अधिक है, जहाँ झाँसी को बाहर करने पर शहरीकरण 18.0% से कम हो जाता है ¹⁵। झाँसी का अपेक्षाकृत उच्च जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय ³, एक मुख्य रूप से ग्रामीण बुंदेलखंड में इसकी उच्च शहरीकरण दर ¹⁵ के साथ मिलकर, इसे क्षेत्र के लिए एक प्रमुख आर्थिक विकास ध्रुव के रूप में स्थापित करता है। महत्वाकांक्षी "नया नोएडा" और रक्षा गलियारा योजनाएँ ¹⁴ इस भूमिका को और मजबूत करती हैं। इसका तात्पर्य यह है कि झाँसी में विपणन केंद्र न केवल स्थानीय जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि तेजी से क्षेत्रीय और राष्ट्रीय वितरण केंद्र बन रहे हैं, निवेश और जनसंख्या को आकर्षित कर रहे हैं, और इस प्रकार व्यापक बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास का एक असमान हिस्सा चला रहे हैं। औद्योगिक विकास (रक्षा गलियारा, नया औद्योगिक शहर) के लिए स्पष्ट सरकारी योजनाएँ ¹⁴ आर्थिक परिवर्तन के लिए एक शीर्ष-डाउन दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। यह बताता है कि विपणन केंद्रों की भूमिका को केवल मौजूदा व्यापार को सुविधाजनक बनाने से लेकर औद्योगिक उत्पादन का सक्रिय रूप से समर्थन करने और नए व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए फिर से कल्पना की जा रही है, जिसके लिए विपणन बुनियादी ढाँचे का व्यापक औद्योगिक नीति में सक्रिय एकीकरण आवश्यक है।

तालिका 1: झाँसी जिले के प्रमुख भौगोलिक और जनसांख्यिकीय संकेतक

संकेतक	मान	स्रोत
भौगोलिक क्षेत्र (वर्ग किमी)	5,024	³
जनसंख्या (2011 जनगणना)	1,998,603	³
पुरुष जनसंख्या (2011)	1,057,436	³
महिला जनसंख्या (2011)	941,167	³
लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएँ)	890	³
जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी)	398	³
शहरीकरण स्तर (2011)	42.0%	¹⁵

औसत वार्षिक वर्षा (मिमी)	884.6	5
प्रमुख नदियाँ	पहुज, बेतवा	1
प्रमुख मिट्टी के प्रकार	लाल, काली (राकर, परवा, कबर, मार)	5

यह तालिका झाँसी जिले के लिए मूलभूत भौगोलिक और जनसांख्यिकीय संदर्भ प्रदान करती है। एक "भौगोलिक अध्ययन" के लिए, ये आधारभूत आँकड़े अपरिहार्य हैं। वे शोधकर्ताओं को भौतिक वातावरण, जनसंख्या वितरण और शहरीकरण की डिग्री को समझने की अनुमति देते हैं, जो सभी विपणन केंद्रों के स्थान, प्रकार और प्रभाव को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। उदाहरण के लिए, उच्च शहरीकरण एक बड़े उपभोक्ता आधार और विविध विपणन चैनलों की अधिक आवश्यकता का सुझाव देता है, जबकि कृषि डेटा बाजार पहुँच की आवश्यकता वाले उत्पादों की प्रकृति को सूचित करता है।

III. झाँसी में विपणन केंद्रों की विशिष्टता और स्थानिक गतिशीलता

यह खंड झाँसी में मौजूद विभिन्न प्रकार के विपणन केंद्रों, उनके भौगोलिक वितरण और उनके भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचे की स्थिति पर प्रकाश डालेगा।

A. विपणन केंद्रों का वर्गीकरण

झाँसी में स्थापित कृषि बाजार हैं। कानपुर रोड पर स्थित झाँसी मंडी एक प्रमुख बाजार है, जो सस्ती सब्जियों की एक विस्तृत विविधता के लिए जाना जाता है, हालांकि इसे स्वच्छता और सुरक्षा उपायों के पालन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है ¹⁶। राजपुर में एक "शाखा कृषि उत्पादन मंडी" भी है ¹⁷। बस स्टैंड के पास मौजूदा सब्जी और फल मंडी "खराब स्थिति" में है और इसे भोजला गल्ला मंडी में स्थानांतरित किया जा रहा है। नई भोजला मंडी में 310 दुकानें (सब्जियों के लिए 20 ए-श्रेणी, 30 बी-श्रेणी, 150 सी-श्रेणी; फलों के लिए 10 ए-श्रेणी, 30 बी-श्रेणी, 70 सी-श्रेणी), दो बड़े ढके हुए नीलामी चबूतरे, सड़कें, नाले, चारदीवारी, सार्वजनिक शौचालय और चेक पोस्ट होंगे। इस परियोजना का उद्देश्य ग्राहक सुविधाओं में सुधार करना है ¹⁸। झाँसी में कई विपणन एजेंसियाँ हैं, जिनमें इंफ्रा वेब टेक, ओम एंड कंपनी, सेंटोई मीडिया, आई3ई मीडिया एजेंसी और डिजिटल उड़ान शामिल हैं, जो विभिन्न सेवाएँ प्रदान करती हैं ¹⁷। झाँसी में बड़ी संख्या में विज्ञापन एजेंसियाँ भी काम करती हैं, जैसे विज़मैक्स इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज, जय एआई मार्केटिंग, फ्यूचर प्लस मार्केटिंग सॉल्यूशंस और फेरिक फैब्रिकेटर्स, जो विज्ञापन डिज़ाइन, डिजिटल अभियान और साइनेज जैसी सेवाएँ प्रदान करती हैं ¹⁹। उत्तर प्रदेश का पहला निजी औद्योगिक पार्क झाँसी-कानपुर राजमार्ग से जुड़ने वाली दिगारा रोड पर विकसित किया गया है। 1052 एकड़ में फैले इस पार्क में 14 औद्योगिक भूखंड, गोदाम, वितरण केंद्र, कार्यालय और कारखाने शामिल हैं ²⁰। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण झाँसी में एक नया औद्योगिक शहर भी बनाने की योजना बना रहा है ¹⁴।

झाँसी में विभिन्न कृषि वस्तुओं के वितरक हैं, जिनमें प्याज (मुस्कान ट्रेडिंग कंपनी, केके वेजिटेबल होम डिलीवरी, आदि) ²¹ और चावल (के.वी. एसोसिएट्स, सदिव एंटरप्राइजेज, माई ग्रीन, आदि) ²² शामिल हैं। जिले का सॉफ्ट खिलौना उद्योग 50 से अधिक उत्पादन इकाइयों के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो प्रमुख शहरों को उत्पाद प्रदान करता है ¹¹। रेशम उद्योग का भी झाँसी से ऐतिहासिक संबंध है ¹⁰। पारंपरिक, अक्सर "खराब स्थिति" वाले कृषि मंडियों ¹⁶ के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आधुनिक विपणन/विज्ञापन एजेंसियों और नए औद्योगिक पार्कों ¹⁷ की बढ़ती संख्या का सह-अस्तित्व झाँसी के विपणन बुनियादी ढाँचे में एक दोहरे और असमान विकास को इंगित करता है। यह कृषि और

औद्योगिक/सेवा क्षेत्रों के बीच, और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आधुनिक विपणन चैनलों तक पहुँच में संभावित असमानता का सुझाव देता है। भोजला मंडी को ढके हुए नीलामी चबूतरों के साथ विकसित करना ¹⁸ और गोदामों तथा वितरण केंद्रों के साथ औद्योगिक पार्कों की स्थापना ²⁰ रसद और मूल्य संवर्धन में सुधार की दिशा में एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाती है। इसका तात्पर्य यह है कि विपणन केंद्र केवल लेनदेन बिंदुओं से विकसित होकर एकीकृत हब बन रहे हैं जो भंडारण, प्रसंस्करण और कुशल वितरण का समर्थन करते हैं, जो आर्थिक मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाने के लिए महत्वपूर्ण है।

B. भौगोलिक वितरण और पहुँच

विपणन एजेंसियों के पते ¹⁷ झाँसी शहर में एक एकाग्रता का सुझाव देते हैं, जिसमें मऊरानीपुर में भी कुछ उपस्थिति है। कृषि मंडियाँ कानपुर रोड, राजपुर और नियोजित भोजला मंडी में स्थित हैं ¹⁶। झाँसी सड़क और रेलवे नेटवर्क द्वारा असाधारण रूप से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है ¹। यह "भारत का चौराहा" है जहाँ श्रीनगर से कन्याकुमारी उत्तर-दक्षिण गलियारा और पूर्व-पश्चिम गलियारा गुजरते हैं ⁴। तीन राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-3, NH-25, NH-76) शहर से होकर गुजरते हैं ²। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और नियोजित झाँसी-ग्वालियर गलियारा कनेक्टिविटी को और बढ़ाएगा ¹⁴।

झाँसी अपनी "चौराहे" की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क ² के कारण उत्कृष्ट मैक्रो-स्तरीय कनेक्टिविटी का दावा करता है। हालांकि, किसानों के लिए चुनौतियों के रूप में उल्लिखित "खराब परिवहन विकल्प" और "ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी केंद्रों के बीच अनुपयोगी मार्ग" ²³ एक महत्वपूर्ण सूक्ष्म-स्तरीय कनेक्टिविटी अंतर का सुझाव देते हैं। इस भौगोलिक असमानता का अर्थ है कि जबकि सामान झाँसी से कुशलता से आ-जा सकता है, दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से कृषि उपज को विपणन केंद्रों तक पहुँचाना एक महत्वपूर्ण बाधा बना हुआ है, जिससे किसानों का शोषण जारी है और बाजार तक उनकी पहुँच सीमित है। झाँसी-ग्वालियर गलियारे के साथ प्रस्तावित नया औद्योगिक शहर ¹⁴ आर्थिक गतिविधि के नियोजित भौगोलिक विस्तार को इंगित करता है। यह विपणन और वितरण के नए नोड बनाएगा, जिससे वाणिज्यिक गतिविधियों के स्थानिक गुरुत्वाकर्षण केंद्र में बदलाव आ सकता है और इन नए औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास भूमि उपयोग पैटर्न और शहरी फैलाव प्रभावित हो सकता है।

C. बुनियादी ढाँचा और आधुनिकीकरण पहल

नई भोजला मंडी परियोजना ¹⁸ पुरानी मंडी की "खराब स्थिति" और भीड़भाड़ को दूर करने का लक्ष्य रखती है, जिसमें 310 दुकानें और बड़े ढके हुए नीलामी चबूतरे, साथ ही सड़कें, नाले और सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। हालांकि, किसानों के लिए सामान्य "अपर्याप्त भंडारण सुविधाएँ" एक समस्या बनी हुई हैं ²³। झाँसी में पहला निजी औद्योगिक पार्क गोदामों और वितरण केंद्रों को शामिल करता है ²⁰। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीएसआईडीए) ने पूरे यूपी में 20,000 एकड़ में 155 औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया है, जिसमें महत्वपूर्ण स्थानों पर और अधिक की योजना है ²⁴। रक्षा गलियारे और झाँसी में एक नए औद्योगिक शहर पर सरकार का ध्यान ¹⁴ औद्योगिक और रसद बुनियादी ढाँचे में भविष्य में महत्वपूर्ण निवेश का तात्पर्य है। झाँसी को 2011 में स्मार्ट सिटी पहल के लिए चुना गया था ⁴। शहरी विकास में जल वितरण प्रणाली (5250 किमी पूर्ण), एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली और ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र ²⁵ में सुधार शामिल हैं। यूपी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन बुनियादी ढाँचे (₹10 करोड़ तक 35% सब्सिडी) और जमे हुए भंडारण/डीप फ्रीजर (₹10 करोड़ तक 50% सब्सिडी) के लिए महत्वपूर्ण सब्सिडी प्रदान करती है ²⁶।

झाँसी मंडी के आधुनिकीकरण ¹⁸ और कोल्ड चेन सुविधाओं में निवेश ²⁶ के स्पष्ट प्रयास सीधे तौर पर "अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं" और "अस्वच्छता" जैसी समस्याओं ¹⁶ को संबोधित करते हैं। यह पिछली ढाँचागत कमियों की पहचान और भौतिक उन्नयन के माध्यम से बाजार दक्षता में सुधार और फसल के बाद के नुकसान को कम करने के लिए एक रणनीतिक कदम को

दर्शाता है। औद्योगिक पार्कों, रसद हब और कोल्ड चैन बुनियादी ढाँचे का विकास ²⁰ केवल मौजूदा व्यापार को सुविधाजनक बनाने से कहीं आगे जाता है। इसका उद्देश्य झाँसी को एक प्रसंस्करण और विनिर्माण केंद्र में बदलना है, जिससे इसकी अर्थव्यवस्था का विविधीकरण हो सके। इसका तात्पर्य यह है कि विपणन केंद्रों को एक बड़े औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न अंग के रूप में देखा जाता है, जिसके लिए मूल्य-वर्धित उत्पादन और वितरण का समर्थन करने के लिए परिष्कृत बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता होती है, न कि केवल कच्चे माल का आदान-प्रदान।

IV. झाँसी के विकास पर विपणन केंद्रों का आर्थिक प्रभाव

यह खंड विभिन्न क्षेत्रों में विपणन केंद्रों के मूर्त आर्थिक योगदान का विश्लेषण करेगा, विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को प्रदर्शित करने के लिए उपलब्ध डेटा का उपयोग करेगा।

A. कृषि क्षेत्र का विकास

झाँसी मंडी सस्ती सब्जियों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करने के लिए जानी जाती है ¹⁶। झाँसी में गेहूँ की वर्तमान बाजार दर औसतन ₹2355/किटल है ²⁸। यूपी कृषि विपणन पोर्टल झाँसी सहित विभिन्न जिलों में विभिन्न वस्तुओं के लिए वास्तविक समय की कीमतें और आवक प्रदान करता है ²⁹। जालौन जिले (झाँसी का पड़ोसी) में भी गेहूँ, जौ, सब्जियाँ और फल जैसी वस्तुओं के लिए न्यूनतम, औसत और अधिकतम कीमतों के साथ लाइव बाजार मूल्य दिखाई देते हैं ³⁰।

झाँसी के किसान मुख्य रूप से सब्जियाँ और मसाले (आलू, बैंगन, मिर्च, टमाटर, अदरक, हल्दी, लहसुन, प्याज) और फल (अमरूद, आँवला, बेर, नींबू, पपीता) उगाते हैं ⁵। कृषि विभाग ने 239,913 हेक्टेयर में दालों (चना, मटर, मसूर) की बुवाई के लिए अपने लक्ष्य का 97% सफलतापूर्वक प्राप्त किया है, जिसमें से 233,951 हेक्टेयर में बुवाई पूरी हो चुकी है। गेहूँ और जौ की बुवाई भी आगे बढ़ी है, जिसमें 145,720 हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 88,000 हेक्टेयर में बुवाई की गई है ³¹। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 संयंत्र, मशीनरी, तकनीकी सिविल कार्य, कोल्ड चैन, मूल्य संवर्धन बुनियादी ढाँचे और कृषि-प्रसंस्करण समूहों के लिए महत्वपूर्ण सब्सिडी प्रदान करती है ²⁶। यह किसानों द्वारा सीधे प्रसंस्करण इकाइयों को बेची गई कृषि उपज के लिए मंडी शुल्क से छूट भी प्रदान करती है ²⁶।

विशिष्ट वस्तुओं की कीमतों की उपलब्धता ²⁸ कृषि विपणन केंद्रों के आर्थिक प्रदर्शन का सीधा मूल्यांकन करने की अनुमति देती है। इन कीमतों में उतार-चढ़ाव, विशेष रूप से न्यूनतम और अधिकतम के बीच का अंतर, बाजार की अक्षमताओं या शोषण को इंगित कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसान अदरक और अरबी के लिए कम कीमतों का विरोध करते हैं ³², तो इसका मतलब है कि मंडी की उपस्थिति के बावजूद मूल्य निर्धारण तंत्र उन्हें विफल कर रहा है। दालों की बुवाई के लक्ष्यों की सफल उपलब्धि ³¹ व्यापक खाद्य प्रसंस्करण नीति ²⁶ के साथ मिलकर कृषि में विविधता लाने और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एक जानबूझकर सरकारी रणनीति का सुझाव देती है। विपणन केंद्र इसके लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें कच्चे और प्रसंस्कृत कृषि दोनों वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाना चाहिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो और पारंपरिक, कम मूल्य वाली फसलों पर निर्भरता कम हो। यह मंडियों की भूमिका को केवल संग्रह बिंदुओं से एक परिष्कृत कृषि-औद्योगिक मूल्य श्रृंखला में नोड्स में बदल देता है।

तालिका 2: झाँसी/जालौन मंडियों में चयनित कृषि वस्तुएँ (नवीनतम उपलब्ध)

वस्तु	किस्म	मंडी/बाजार	न्यूनतम मूल्य (₹/किटल)	औसत मूल्य (₹/किटल)	अधिकतम मूल्य (₹/किटल)	आवक तिथि

गेहूं	-	झाँसी	2300.00	2355.00	2400.00	06 अगस्त 2025
गेहूं	दारा	जालौन (ओरई)	2500	2510	2530	06 अगस्त 2025
चावल	-	झाँसी	-	3281	-	-
चना	-	झाँसी	-	6470	-	-
मूंग	-	झाँसी	-	8522	-	-
सरसों	-	झाँसी	-	6733	-	-
सरसों	सरसों (काली)	जालौन (ओरई)	6800	6800	6800	06 अगस्त 2025
आलू	-	झाँसी	-	1072	-	-
प्याज	-	झाँसी	-	1361	-	-
टमाटर	-	झाँसी	-	3875	-	-
टमाटर	देसी	जालौन (ओरई)	4200	4300	4500	06 अगस्त 2025
अदरक	-	झाँसी	(किसान विरोध)	(किसान विरोध)	(किसान विरोध)	32
अरबी	-	झाँसी	(किसान विरोध)	(किसान विरोध)	(किसान विरोध)	32
हरी मटर	हरी मटर	जालौन (ओरई)	5690	9700	12600	06 अगस्त 2025
बैंगन	गोल-लंबा	जालौन (ओरई)	1000	1000	1000	05 अगस्त 2025

यह तालिका कृषि विपणन केंद्रों के भीतर आर्थिक गतिविधि पर ठोस, मात्रात्मक डेटा प्रदान करती है। इन कीमतों का विश्लेषण

बाजार दक्षता, मूल्य अस्थिरता और किसानों की आय प्राप्ति की क्षमता में प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि की अनुमति देता है। विभिन्न मंडियों (जैसे, झाँसी बनाम जालौन) में कीमतों की तुलना स्थानिक बाजार एकीकरण या विखंडन को प्रकट कर सकती है, जो एक प्रमुख भौगोलिक पहलू है। यह यह पहचानने में भी मदद करता है कि कौन सी वस्तुएँ सबसे अधिक सक्रिय रूप से कारोबार की जाती हैं और कहाँ किसानों को मूल्य शोषण का सामना करना पड़ रहा है।

B. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का विकास

झाँसी जिले में एमएसएमई पर एक शोध पत्र (2016-2020) ने उनके वित्तीय प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। विभिन्न वित्तीय वर्षों में औसत शुद्ध लाभ 9.3% से 10.8% तक भिन्न था। अध्ययन ने समय के साथ सकल और शुद्ध लाभ में वृद्धि दिखाने वाले एमएसएमई के प्रतिशत को भी ट्रैक किया ¹³। एमएसएमई कम पूंजी लागत पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्रदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों के औद्योगीकरण के लिए महत्वपूर्ण हैं ¹³। झाँसी के रेशम उद्योग का एक समृद्ध इतिहास है ¹⁰, और इसकी सॉफ्ट खिलौना उत्पादन इकाइयाँ (50 से अधिक) स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, जो प्रमुख शहरों को उत्पाद प्रदान करती हैं ¹¹।

कम पूंजी लागत पर बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए एमएसएमई पर जोर ¹³ और उनके वित्तीय प्रदर्शन डेटा ¹³ स्थानीय आर्थिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को इंगित करता है। विपणन केंद्र, पारंपरिक और आधुनिक दोनों, इन छोटे व्यवसायों के लिए कच्चे माल तक पहुँचने और उपभोक्ताओं तक पहुँचने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे उनकी लाभप्रदता और स्थिरता सीधे प्रभावित होती है। सॉफ्ट खिलौने और रेशम जैसे स्थानीय उद्योगों की सफलता ¹⁰ प्रभावी विपणन चैनलों से आंतरिक रूप से जुड़ी हुई है। एमएसएमई की बदलती लाभप्रदता ¹³ बताती है कि जबकि यह क्षेत्र लचीला है, सभी इकाइयाँ समान रूप से सफल नहीं होती हैं। इसका तात्पर्य यह है कि कुशल और विविध विपणन चैनलों (डिजिटल विपणन सहित, जैसा कि चुनौतियों में चर्चा की गई है) तक पहुँच उनकी वित्तीय सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है। विपणन केंद्र, मंच और संबंध प्रदान करके, इन महत्वपूर्ण स्थानीय व्यवसायों, विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में, के लचीलेपन और विकास में सीधे योगदान कर सकते हैं।

तालिका 3: झाँसी जिले में एमएसएमई के वित्तीय प्रदर्शन संकेतक (2016-2020)

वित्तीय वर्ष	औसत शुद्ध लाभ (%)	सकल लाभ में वृद्धि वाले एमएसएमई (%)	सकल लाभ में कमी वाले एमएसएमई (%)	शुद्ध लाभ में वृद्धि वाले एमएसएमई (%)	शुद्ध लाभ में कमी वाले एमएसएमई (%)	निवेश पर वापसी (आरओआ ई) की सीमा	कुल संपत्ति पर वापसी (आरओटी ए) की सीमा
2016-17	10.8%	38 (66%)	20 (34%)	41 (71%)	17 (29%)	57.70% से -0.10%	48.70% से 1.50%
2017-18	10.6%	37 (64%)	21 (36%)	37 (64%)	21 (36%)	-	-
2018-19	9.3%	32 (55%)	26 (45%)	38 (66%)	19 (33%)	-	-
2019-20	10.1%	-	-	-	-	-	-

यह तालिका एमएसएमई के आर्थिक स्वास्थ्य का मात्रात्मक प्रमाण प्रदान करती है, जिन्हें स्पष्ट रूप से रोजगार और ग्रामीण औद्योगीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है ¹³। लाभप्रदता और विकास के रुझानों को प्रस्तुत करके, यह मूल्यांकन करने की अनुमति देता है कि मौजूदा विपणन पारिस्थितिकी तंत्र इन व्यवसायों का कितनी प्रभावी ढंग से समर्थन करता है। यह ताकत या कमजोरी के क्षेत्रों को उजागर कर सकता है, उनके बाजार संबंधों और वित्तीय व्यवहार्यता में सुधार के लिए लक्षित हस्तक्षेपों को सूचित कर सकता है।

C. रोजगार सृजन और आजीविका

एमएसएमई को कम पूंजी लागत पर बड़े रोजगार क्षमता के लिए उजागर किया गया है ¹³। कृषि क्षेत्र भारत में लगभग 42.3% आबादी को आजीविका सहायता प्रदान करता है ¹³। झाँसी में विशिष्ट नौकरी लिस्टिंग में कृषि, बिक्री और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भूमिकाएँ शामिल हैं ³³। सब्जियों के लिए कमीशन एजेंट भी झाँसी में काम करते हैं ³⁵। पशुपालन क्षेत्र में ग्रामीण स्वरोजगार सृजन की सबसे अधिक क्षमता है, जिसमें प्रति इकाई सबसे कम निवेश होता है ³⁶। झाँसी में एक जैविक किसान ने महत्वपूर्ण वार्षिक कारोबार और लाभ प्राप्त किया, जो मूल्य-वर्धित कृषि के माध्यम से स्वरोजगार की क्षमता को दर्शाता है ³⁷। नाबार्ड की डेयरी विकास योजना का उद्देश्य स्वरोजगार प्रदान करना और किसानों की आय बढ़ाना है ³⁶।

कृषि श्रम से लेकर बिक्री और एमएसएमई में विशिष्ट भूमिकाओं तक, रोजगार के अवसरों की विविध श्रेणी ¹³ सीधे विपणन केंद्रों को आजीविका सृजन से जोड़ती है। विपणन केंद्र आर्थिक नोड्स के रूप में कार्य करते हैं जो न केवल व्यापार को सुविधाजनक बनाते हैं बल्कि विभिन्न सेवाओं (रसद, बिक्री, प्रशासन) की मांग भी पैदा करते हैं और उद्यमशीलता गतिविधियों (जैसे, जैविक खेती, डेयरी इकाइयाँ) का समर्थन करते हैं, इस प्रकार रोजगार गुणक के रूप में कार्य करते हैं। ग्रामीण बुंदेलखंड में "कम मजदूरी के अवसर" और "अल्प-रोजगार" की व्यापकता ¹⁵ को देखते हुए, डेयरी विकास ³⁶ और जैविक खेती ³⁷ जैसी मूल्य-वर्धित गतिविधियों को संगठित विपणन के माध्यम से बढ़ावा देना अधिक स्थिर और उच्च-भुगतान वाली आजीविका प्रदान कर सकता है। इसका तात्पर्य यह है कि प्रभावी विपणन केंद्र, किसानों को अधिक लाभदायक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करके, ग्रामीण अल्प-रोजगार को सीधे संबोधित कर सकते हैं और संकटपूर्ण प्रवासन को कम कर सकते हैं।

D. क्षेत्रीय आर्थिक विकास में योगदान

झाँसी के लिए जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय डेटा ³ इसके आर्थिक योगदान का एक व्यापक स्तर का दृश्य प्रदान करता है। यूपी कैबिनेट द्वारा अनुमोदित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण और झाँसी में "नया नोएडा", रक्षा गलियारे को मजबूत करते हुए, क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है ¹⁴। इस रणनीतिक विकास का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करना है ¹⁴।

रक्षा गलियारे में "महत्वपूर्ण नोड" और एक नए औद्योगिक शहर के रूप में झाँसी की स्पष्ट सरकारी दृष्टि ¹⁴ विपणन केंद्रों की भूमिका को केवल वाणिज्यिक सुविधाकर्ताओं से ऊपर उठाती है। वे व्यापक क्षेत्रीय और राज्य-स्तरीय आर्थिक उद्देश्यों, जैसे जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, को प्राप्त करने के लिए रणनीतिक उपकरण बन जाते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि इन बड़े पैमाने की औद्योगिक परियोजनाओं की प्रभावशीलता औद्योगिक उत्पादन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए परिष्कृत विपणन और रसद बुनियादी ढाँचे के विकास पर बहुत अधिक निर्भर करेगी।

V. विपणन में सामाजिक-भौगोलिक गतिशीलता और चुनौतियाँ

यह खंड विपणन केंद्रों के इष्टतम कामकाज और जनसंख्या पर उनके न्यायसंगत प्रभाव में बाधा डालने वाली सामाजिक और भौगोलिक चुनौतियों की गंभीर रूप से जाँच करेगा।

A. किसानों की चुनौतियाँ और बाजार की अक्षमताएँ

झाँसी में किसान उन व्यापारियों के खिलाफ विरोध करते हैं जो अदरक और अरबी की फसल "मनमाने दामों" पर खरीदते हैं, जिससे उनकी "आर्थिक स्थिति खराब" होती जा रही है। वे मंडी समिति और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप और मनमानी कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी नीलामी प्रक्रिया को लागू करने की मांग करते हैं³²। भारतीय कृषि विपणन प्रणाली में एक व्यापक मुद्दा बहुत अधिक बिचौलियों द्वारा शोषण है जो किसानों को उनके माल के लिए बाजार मूल्य से कम भुगतान करते हैं और उपभोक्ताओं से अधिक कीमतें वसूलते हैं²³। वजन और माप का दुरुपयोग एक बड़ी खामी है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में ईंटों, पत्थरों या दोषपूर्ण वजनों का आमतौर पर उपयोग किया जाता है, और व्यापारी अक्सर दो प्रकार के तराजू रखते हैं²³। कई भारतीय किसान अशिक्षित हैं और उनमें पर्याप्त बाजार ज्ञान की कमी है, वे स्थानीय व्यापारियों और साहूकारों पर निर्भर रहते हैं। वे बिखरे हुए हैं, जिससे सामूहिक कार्रवाई मुश्किल हो जाती है²³। वित्तीय संसाधनों की कमी अक्सर किसानों को समय से पहले या जल्दी से ऋण चुकाने के लिए उपज बेचने के लिए मजबूर करती है²³। "खराब परिवहन विकल्प" (अनुपयोगी ग्रामीण मार्ग) और "अपर्याप्त भंडारण सुविधाएँ" (कीटों से 20-30% फसल का नुकसान) महत्वपूर्ण मुद्दे हैं²³। झाँसी में किसान यूरिया उर्वरक की कमी जैसी समस्याओं का सामना करते हैं, जिससे उन्हें कई दिनों तक कतारों में खड़ा रहना पड़ता है, जिससे फसल के स्वास्थ्य और उत्पादन पर असर पड़ता है³⁹। किसानों को "अन्ना जानवरों" (आवारा पशुओं) द्वारा फसलों को नुकसान पहुँचाने जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है, जिससे उनका बोझ और बढ़ जाता है³⁹।

बिचौलियों के शोषण, गलत वजन और मनमानी कीमतों के बारे में व्यापक शिकायतें²³ कृषि विपणन केंद्रों के शासन और विनियमन में एक प्रणालीगत विफलता को इंगित करती हैं। मंडी का मात्र अस्तित्व¹⁶ निष्पक्ष व्यापार की गारंटी नहीं देता है; बल्कि, यह मजबूत निगरानी, नियमों के प्रवर्तन और बाजार संरचना के भीतर किसानों को सशक्त बनाने के तंत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता को उजागर करता है। यह असमान नियामक पहुँच और प्रवर्तन के संदर्भ में एक भौगोलिक समस्या है। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे (परिवहन, भंडारण), बाजार ज्ञान की कमी, वित्तीय बाधाएँ और इनपुट की कमी²³ का संयोजन किसानों के लिए भेद्यता का एक दुष्क्र बनाता है। ये चुनौतियाँ अक्सर दूरदराज के या कम विकसित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानिक रूप से केंद्रित होती हैं, जिससे व्यापारियों के साथ शक्ति असंतुलन बढ़ जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि विपणन केंद्रों में सुधार के लिए केवल बाजार पहुँच ही नहीं बल्कि वित्तीय साक्षरता, रसद और इनपुट आपूर्ति श्रृंखलाओं को संबोधित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें हस्तक्षेपों का मजबूत भौगोलिक लक्ष्यीकरण हो।

B. ग्रामीण-शहरी प्रवासन और विपणन केंद्र

बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्रामीण-शहरी प्रवासन के प्रमुख प्रेरक कारक गरीबी, अल्प-रोजगार और बेरोजगारी हैं, जो अक्सर जलवायु चरम सीमाओं, बार-बार फसल खराब होने, कम कृषि उत्पादकता और गैर-कृषि वस्तुओं और सेवाओं की खराब मांग के कारण होते हैं। कर्ज में डूबे परिवार, सीमांत किसान और कृषि मजदूर रोजगार के लिए शहरी क्षेत्रों में जाने को मजबूर हैं¹⁵। अन्य कारणों में युवा पीढ़ी के बीच कृषि में रुचि की कमी, फसल कटाई के बाद कम मजदूरी के अवसर और मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं की अप्रभावीता शामिल है³⁸। ऐतिहासिक रूप से, प्रवासन मुख्य रूप से पुरुष-उन्मुख था, लेकिन यह तेजी से युगल और पूरे परिवार के प्रवासन में बदल रहा है, दोनों मौसमी और स्थायी रूप से¹⁵। झाँसी जिले का उच्च शहरीकरण स्तर (2011 में 42%) बुंदेलखंड के बाकी हिस्सों (<18%) की तुलना में¹⁵ यह दर्शाता है कि यह एक महत्वपूर्ण शहरी चुंबक के रूप में कार्य करता है।

प्रवासन के प्रेरक कारक (गरीबी, बेरोजगारी, फसल खराब होना) सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं की स्थायी आजीविका प्रदान करने में असमर्थता से जुड़े हैं¹⁵। प्रभावी और न्यायसंगत विपणन केंद्र, उचित मूल्य सुनिश्चित करके, शोषण को कम करके और मूल्य-वर्धित गतिविधियों को बढ़ावा देकर, ग्रामीण आय में सुधार और स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करके संकटपूर्ण प्रवासन

को संभावित रूप से कम कर सकते हैं। इसके विपरीत, अक्षम या शोषणकारी विपणन प्रणालियाँ ग्रामीण आजीविका को अस्थिर बनाकर प्रवासन को तेज कर सकती हैं। झाँसी का उच्च शहरीकरण ¹⁵ बताता है कि इसके विपणन केंद्र पहले से ही आकर्षक कारक के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो कम विकसित क्षेत्रों से लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। झाँसी और बुंदेलखंड के बाकी हिस्सों के बीच शहरीकरण के स्तर में भारी अंतर ¹⁵ आर्थिक अवसर में एक महत्वपूर्ण स्थानिक असमानता को उजागर करता है। पूरे परिवार के प्रवासन की बढ़ती प्रवृत्ति ¹⁵ ग्रामीण क्षेत्रों में एक गहराते संकट को इंगित करती है, जिससे जनसांख्यिकीय पुनर्गठन होता है। इसका तात्पर्य यह है कि परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों में विपणन केंद्रों की भौगोलिक पहुँच और प्रभावशीलता क्षेत्रीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या की कमी को रोका जा सके और झाँसी जैसे शहरी केंद्रों में अत्यधिक जनसंख्या का प्रबंधन किया जा सके।

C. बाजार पहुँच के सामाजिक निहितार्थ

बिचौलियों द्वारा शोषण ²³ सीधे आय असमानताओं की ओर ले जाता है, जहाँ किसानों को बाजार मूल्य से कम मिलता है जबकि उपभोक्ताओं को अधिक कीमतें चुकानी पड़ती हैं। विपणन संगठनों का घोषित उद्देश्य किसानों को "लाभकारी मूल्य" दिलाने और "बिचौलियों की भूमिका" को कम करने में सहायता करना है ⁴⁰। हालाँकि, किसान विरोध प्रदर्शन शोषण की वास्तविकता को उजागर करते हैं ³²।

नीतिगत उद्देश्यों (उचित मूल्य, बिचौलियों को कम करना) ⁴⁰ और जमीनी वास्तविकताओं (किसान विरोध, शोषण) ³² के बीच का विरोधाभास विपणन प्रणाली के भीतर इक्विटी और सामाजिक न्याय का एक मूलभूत मुद्दा बताता है। भौगोलिक अनुसंधान यह जांच कर सकता है कि बाजार पहुँच और शक्ति गतिशीलता सामाजिक असमानताओं को कैसे पैदा या बढ़ाती है, कमजोर समूहों और क्षेत्रों की पहचान करती है। अधिकारियों से लगातार शोषण और प्रतिक्रिया की कमी ³² किसानों और बाजार सहभागियों/शासकीय निकायों के बीच विश्वास को कम कर सकती है। विश्वास का यह टूटना कृषि समुदाय के भीतर सामाजिक पूंजी को प्रभावित करता है और सामूहिक कार्रवाई में बाधा डालता है, जिससे सुधारों को लागू करना या किसानों के लिए प्रभावी ढंग से संगठित होना मुश्किल हो जाता है ²³। इसके ग्रामीण विकास के लिए दीर्घकालिक सामाजिक निहितार्थ हैं।

VI. विपणन और विकास के लिए सरकारी पहल और नीतिगत ढाँचे

यह खंड झाँसी और व्यापक बुंदेलखंड क्षेत्र में विपणन बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी प्रयासों का विवरण देगा।

A. कृषि विपणन सुधार

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 खाद्य प्रसंस्करण के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन प्रदान करती है, जिसमें शामिल हैं:

- **मंडी शुल्क:** यूपी में प्रसंस्करण के लिए अन्य राज्यों से प्राप्त कृषि उपज के लिए मंडी शुल्क और उपकर से छूट, और किसानों द्वारा सीधे प्रसंस्करण इकाइयों को बेची गई उपज के लिए छूट ²⁶। मंडी शुल्क के संबंध में पूरे राज्य को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए एक एकल एकीकृत बाजार माना जाता है ²⁶।
- **सब्सिडी:** पूंजी सब्सिडी (संयंत्र/मशीनरी के लिए ₹5 करोड़ तक 35%; विस्तार के लिए ₹1 करोड़ तक 25%), बुनियादी ढाँचा समर्थन (कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन, कृषि-प्रसंस्करण समूह ₹10 करोड़ तक 35-50% सब्सिडी के साथ), और प्रौद्योगिकी/नवाचार समर्थन (सौर ऊर्जा सब्सिडी, आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए ₹5 करोड़ तक सहायता) ²⁶।
- **बाजार सुविधा:** निर्यात पर 25% माल ढुलाई सब्सिडी (नेपाल, बांग्लादेश, भूटान को छोड़कर) ²⁶।

झाँसी के जिलाधिकारी किसानों की आय बढ़ाने में एफपीओ की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं, जिसमें संगठित खेती को बढ़ावा देना और उचित मूल्य सुनिश्चित करना शामिल है। विभागीय अधिकारियों को योजनाओं, लाइसेंसिंग (मंडी लाइसेंस,

जीएसटी, एफएसएसआई और निर्यात के अवसरों सहित बाजार संबंधों के बारे में जानकारी के साथ एफपीओ का समर्थन करने का निर्देश दिया गया है ⁴¹। किसान सरकार से "सरकारी नीलामी प्रक्रिया" लागू करने और व्यापारियों द्वारा "मनमानी कीमतों" को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग करते हैं ³²। भारत में व्यापक किसान विरोध प्रदर्शनों ने कृषि बिलों को रद्द करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी और किसान-व्यापारी विवादों को न्यायपालिका के दायरे में लाने की मांग की है ⁴²। यूपी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 ²⁶ केवल कच्चे माल के व्यापार को सुविधाजनक बनाने से हटकर मूल्य संवर्धन और एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक स्पष्ट नीतिगत बदलाव को दर्शाती है। प्रसंस्करणकर्ताओं को सीधे बिक्री के लिए मंडी शुल्क छूट और एकीकृत बाजार अवधारणा ²⁶ पारंपरिक बिचौलियों को दरकिनार करने और सीधे किसान-प्रसंस्करणकर्ता संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसका तात्पर्य कृषि विपणन का प्रसंस्करण केंद्रों की ओर एक भौगोलिक पुनर्संरचना है, न कि केवल पारंपरिक मंडियों की ओर। एफपीओ पर मजबूत जोर ⁴¹ किसान विखंडन और शोषण ²³ के मुद्दों पर एक रणनीतिक प्रतिक्रिया है। भौगोलिक रूप से, सफल एफपीओ उपज को एकत्रित कर सकते हैं, पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त कर सकते हैं, और सामूहिक रूप से मोलभाव कर सकते हैं, जिससे विशिष्ट ग्रामीण समूहों में किसानों को सशक्त बनाया जा सके। लाइसेंस और बाजार संबंध सुरक्षित करने की उनकी क्षमता ⁴¹ स्थानीय बाजार की अक्षमताओं को दूर करने और व्यापक बाजारों तक पहुँचने में उनकी स्थानिक प्रभावशीलता के लिए महत्वपूर्ण है।

B. औद्योगिक और बुनियादी ढाँचा विकास नीतियाँ

यूपी कैबिनेट द्वारा अनुमोदित बीआईडीए का उद्देश्य झाँसी में एक नया औद्योगिक शहर विकसित करना है, जो नोएडा के समान है, जो औद्योगीकरण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसमें झाँसी-ग्वालियर गलियारे के साथ 35,000 एकड़ भूमि (प्रारंभिक चरण 14,000 हेक्टेयर) का अधिग्रहण शामिल है, जो राष्ट्रीय राजमार्गों और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जुड़ा है ¹⁴। इस विकास से रक्षा गलियारे को बढ़ावा मिलने और आर्थिक विकास और रोजगार में योगदान मिलने की उम्मीद है ¹⁴। यूपीएसआईडीए यूपी में औद्योगिक और बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए केंद्रीय संगठन है, जिसने 20,000 एकड़ में 155 औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया है। यह विकास, कौशल वृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देता है, जिसमें सुविधा केंद्रों के माध्यम से निवेशक सहायता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ²⁴। झाँसी को 2011 में स्मार्ट सिटी पहल के लिए चुना गया था ⁴। शहरी विकास योजनाओं में जल वितरण, एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र, स्मार्ट ट्रेफिक प्रबंधन प्रणाली और ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण में सुधार शामिल हैं ²⁵। एनडीए सरकार द्वारा झाँसी को रक्षा गलियारे में एक महत्वपूर्ण नोड के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है ⁴।

झाँसी में बीआईडीए की स्थापना और "नया नोएडा" की योजना ¹⁴ एक बड़े पैमाने पर, नियोजित औद्योगीकरण प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है। इसके लिए औद्योगिक विपणन और रसद बुनियादी ढाँचे (गोदाम, वितरण केंद्र, औद्योगिक पार्क) ²⁰ के विकास की आवश्यकता होगी ताकि औद्योगिक वस्तुओं के निर्माण और वितरण का समर्थन किया जा सके, जिससे जिले के पारंपरिक वाणिज्यिक भूगोल में मौलिक परिवर्तन होगा और नए प्रकार के विपणन केंद्र बनेंगे। झाँसी से होकर उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम गलियारों का गुजरना ⁴ पहले ही "बुनियादी ढाँचे और रियल एस्टेट विकास में अचानक वृद्धि" का कारण बन चुका है ⁴। नया औद्योगिक शहर और एक्सप्रेसवे ¹⁴ इसे और बढ़ाएंगे, जिससे झाँसी एक प्रमुख निवेश गंतव्य बन जाएगा। इसका तात्पर्य यह है कि रियल एस्टेट, निर्माण सामग्री और संबंधित सेवाओं के लिए विपणन केंद्र भी महत्वपूर्ण वृद्धि देखेंगे, जो बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचे परियोजनाओं द्वारा संचालित व्यापक आर्थिक गतिशीलता को दर्शाता है।

तालिका 4: बुंदेलखंड/झाँसी में विपणन और उद्योग के लिए प्रमुख सरकारी नीतियाँ और प्रोत्साहन

नीति का नाम	प्रमुख प्रावधान/प्रोत्साहन	झाँसी/बुंदेलखंड के लिए विशिष्ट
-------------	----------------------------	--------------------------------

		प्रासंगिकता
उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023	मंडी शुल्क और उपकर से छूट; संयंत्र, मशीनरी और तकनीकी सिविल कार्य के लिए 35% पूंजी सब्सिडी (₹5 करोड़ तक); कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन बुनियादी ढाँचे के लिए 35% सब्सिडी (₹10 करोड़ तक); सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 50% सब्सिडी (ग्रामीण क्षेत्र), महिला उद्यमियों के लिए 90%; निर्यात पर 25% माल ढुलाई सब्सिडी।	पूरे राज्य को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए एक एकल एकीकृत बाजार माना जाता है; बुंदेलखंड क्षेत्र में परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन लागू होते हैं।
उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022	पूंजी सब्सिडी के साथ निवेश प्रोत्साहन सब्सिडी; 100% नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति; पीएलआई टॉप-अप।	बड़े, मेगा, सुपर मेगा और अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं के लिए लागू।
उत्तर प्रदेश एफडीआई और फॉर्च्यून 500 नीति 2023	बुंदेलखंड क्षेत्र में पात्र पूंजी निवेश (भूमि लागत को छोड़कर) का 35% पूंजी सब्सिडी (7 समान वार्षिक किस्तों में, ₹100 करोड़ वार्षिक सीमा के साथ); 80% तक भूमि सब्सिडी।	बुंदेलखंड क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया।
स्मार्ट सिटी पहल	जल वितरण प्रणाली में सुधार; एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र; स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली; ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र।	झाँसी को 2011 में स्मार्ट सिटी के रूप में चुना गया।
बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीआईडीए)	झाँसी में नोएडा के समान एक नया औद्योगिक शहर विकसित करने की योजना; रक्षा गलियारे को मजबूत करना; 35,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण।	झाँसी को बुंदेलखंड में एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना।

यह तालिका झाँसी में विपणन केंद्रों और व्यापक अर्थव्यवस्था के विकास को आकार देने वाले नीतिगत वातावरण को व्यवस्थित रूप से सारांशित करती है। यह शोधकर्ताओं को शीर्ष-डाउन चालकों, उपलब्ध विशिष्ट सहायता तंत्रों और सरकार के रणनीतिक इरादे को समझने की अनुमति देता है। यह नीति प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने, अंतराल की पहचान करने और भविष्य के विकास के लिए साक्ष्य-आधारित सिफारिशें प्रस्तावित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

C. नीति कार्यान्वयन में चुनौतियाँ

एफपीओ को बढ़ावा देने के बावजूद, एक विशिष्ट एफपीओ को चिरगाँव में मंडी सचिव से लाइसेंस प्राप्त करने में दो साल की देरी का सामना करना पड़ा, जिससे जिलाधिकारी के कड़े हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी ⁴¹। झाँसी में किसानों को यूरिया उर्वरक की गंभीर कमी का सामना करना पड़ता है, हालांकि अधिकारियों द्वारा कोई कमी न होने का आश्वासन दिया गया है ³⁹। यह सीधे कृषि उत्पादकता और किसान कल्याण को प्रभावित करता है, जिससे विपणन केंद्रों के लाभ कम हो जाते हैं। एमएसएमई को इंटरनेट विपणन और ई-कॉमर्स अपनाने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें "पर्याप्त जागरूकता और कौशल की कमी," "वित्तीय बाधाएँ," "पर्याप्त तकनीकी संसाधनों की कमी," और "सुरक्षा चिंताएँ" शामिल हैं ⁴⁴। एमएसएमई के लिए अनुकूलित इंटरनेट विपणन सेवाओं की मांग और आपूर्ति में अंतर है ⁴⁴।

एफपीओ लाइसेंसिंग में देरी ⁴¹ और उर्वरक की कमी ³⁹ जैसे मुद्दे सुविचारित सरकारी नीतियों और उनके जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के बीच एक महत्वपूर्ण विसंगति को उजागर करते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि जबकि विपणन और विकास के लिए नीतिगत ढाँचा मजबूत है, प्रशासनिक अक्षमताएँ और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएँ विपणन केंद्रों की प्रभावशीलता और किसानों और छोटे व्यवसायों के कल्याण को गंभीर रूप से कमजोर कर सकती हैं। यह एक भौगोलिक शासन का मुद्दा है, जहाँ राज्य स्तर पर डिज़ाइन की गई नीतियों को स्थानीय कार्यान्वयन स्तर पर घर्षण का सामना करना पड़ता है। एमएसएमई द्वारा डिजिटल विपणन अपनाने में आने वाली चुनौतियाँ ⁴⁴ एक महत्वपूर्ण डिजिटल विभाजन को इंगित करती हैं। आधुनिक विपणन उपकरणों तक यह भौगोलिक रूप से असमान पहुँच स्थानीय व्यवसायों, विशेष रूप से ग्रामीण या कम जुड़े क्षेत्रों में, की बाजार पहुँच, प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास क्षमता को सीमित करती है। यह आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है और व्यापक बुनियादी ढाँचे के विकास के बावजूद झाँसी की आर्थिक क्षमता की पूरी प्राप्ति में बाधा डालता है।

VII. निष्कर्ष और सिफारिशें

यह समापन खंड रिपोर्ट से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों को संश्लेषित करेगा, झाँसी के विकास में विपणन केंद्रों की भूमिका की समग्र समझ प्रदान करेगा और नीति और भविष्य के अनुसंधान के लिए कार्रवाई योग्य सिफारिशें प्रस्तुत करेगा।

A. प्रमुख निष्कर्षों का संश्लेषण

झाँसी का एक ऐतिहासिक और समकालीन "भारत का चौराहा" ⁴ और "बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार" ¹ के रूप में रणनीतिक भौगोलिक महत्व एक महत्वपूर्ण पहलू है। विपणन केंद्रों की दोहरी प्रकृति, जिसमें आधुनिकीकरण से गुजर रही पारंपरिक कृषि मंडियाँ ¹⁶ और उभरते आधुनिक औद्योगिक/डिजिटल विपणन केंद्र ¹⁷ शामिल हैं, जिले के विकास को आकार देती है। जीएसडीपी, एमएसएमई विकास और रोजगार सृजन पर महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव ³ जैविक विकास और महत्वाकांक्षी सरकारी पहलों ¹⁴ दोनों से प्रेरित है। किसान शोषण, बुनियादी ढाँचे के अंतराल, डिजिटल विभाजन और ग्रामीण-शहरी प्रवासन ¹⁵ सहित महत्वपूर्ण सामाजिक-भौगोलिक चुनौतियाँ मौजूद हैं। कृषि विपणन सुधारों और औद्योगिक विकास के उद्देश्य से सरकारी नीतियाँ व्यापक हैं, लेकिन उनके कार्यान्वयन में कभी-कभी चुनौतियाँ आती हैं ²⁶।

B. नीति और योजना सिफारिशें

- कृषि बाजार दक्षता और इकटिरी में सुधार:

- **सिफारिश:** कृषि मंडियों के भीतर नियामक निरीक्षण और प्रवर्तन को मजबूत करें ताकि बिचौलियों के शोषण पर अंकुश लगाया जा सके, सटीक वजन सुनिश्चित किया जा सके और पारदर्शी नीलामी प्रक्रियाओं को बढ़ावा दिया जा सके ²³। मंडियों की उपस्थिति के बावजूद शोषण के लगातार मुद्दे शासन में एक अंतर को इंगित करते हैं। निष्पक्ष खेल सुनिश्चित करने और किसानों के हितों की रक्षा के लिए मजबूत विनियमन आवश्यक है, जिससे मंडियां वास्तव में फायदेमंद बन सकें।
- **सिफारिश:** दूरदराज के कृषि क्षेत्रों को सीधे विपणन केंद्रों से जोड़ने के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी और ग्रामीण परिवहन बुनियादी ढाँचे में निवेश करें, जिससे स्थानीय बिचौलियों पर निर्भरता कम हो ²³। खराब ग्रामीण सड़कें बाजार तक पहुँचने में एक भौतिक बाधा हैं। इस भौगोलिक बाधा को दूर करने से किसानों को अपने बाजारों को चुनने और परिवहन लागत को कम करने के लिए सीधे सशक्त बनाया जाता है।
- **सिफारिश:** फसल के बाद के नुकसान को कम करने और किसानों को बेहतर कीमतों के लिए उपज रखने में सक्षम बनाने के लिए कोल्ड स्टोरेज और वेयरहाउसिंग सुविधाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण करें, विशेष रूप से कृषि उत्पादन समूहों में ²³। अपर्याप्त भंडारण संकटपूर्ण बिक्री को मजबूर करता है। भंडारण सुविधाओं, विशेष रूप से कोल्ड चेन में निवेश, किसानों को आपूर्ति और मांग को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की अनुमति देता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होती है।
- **सिफारिश:** लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके और बाजार संबंधों और मूल्य संवर्धन के लिए व्यापक सहायता प्रदान करके किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के संवर्धन और प्रभावी कामकाज में तेजी लाएँ ⁴¹। एफपीओ सामूहिक मोलभाव और मूल्य संवर्धन के लिए एक सिद्ध तंत्र हैं। नौकरशाही बाधाओं को दूर करना और मजबूत सहायता प्रदान करना किसानों को सशक्त बनाने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।
- **विपणन बुनियादी ढाँचे को व्यापक विकास योजनाओं के साथ एकीकृत करना:**
 - **सिफारिश:** एक एकीकृत रसद और वितरण हब के लिए एक मास्टर प्लान विकसित करें जो नए औद्योगिक शहर और रक्षा गलियारे को मौजूदा कृषि विपणन केंद्रों और राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क से सहजता से जोड़ता है ¹⁴। बड़े औद्योगिक परियोजनाओं को मजबूत रसद की आवश्यकता होती है। कृषि और औद्योगिक विपणन बुनियादी ढाँचे को एकीकृत करने से तालमेल बनता है, जिससे कच्चे माल और तैयार माल दोनों की कुशल आवाजाही संभव होती है।
 - **सिफारिश:** झाँसी की "स्मार्ट सिटी" पहलों का लाभ उठाएँ ताकि कृषि और औद्योगिक उत्पादों दोनों के लिए डिजिटल बाजार सूचना प्रणालियों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को एकीकृत किया जा सके, जिससे वास्तविक समय में मूल्य निर्धारण और व्यापक बाजार पहुँच सुनिश्चित हो सके ⁴। डिजिटलीकरण पारदर्शिता और पहुँच में सुधार करता है। स्मार्ट सिटी पहल बाजार की जानकारी को एकीकृत करने के लिए तकनीकी रीढ़ प्रदान करती है, जिससे किसानों और एमएसएमई दोनों को लाभ होता है।
- **प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाना:**
 - **सिफारिश:** एमएसएमई और किसानों के बीच डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास के लिए लक्षित कार्यक्रम लागू करें, विशेष रूप से इंटरनेट विपणन, ई-कॉमर्स और डिजिटल वित्तीय लेनदेन पर ध्यान केंद्रित करें ⁴⁴। डिजिटल विभाजन एक बड़ी बाधा है। कौशल और जागरूकता में निवेश एमएसएमई और किसानों को आधुनिक विपणन उपकरणों का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

- **सिफारिश:** झाँसी के एमएसएमई की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप सस्ती और सुलभ डिजिटल विपणन सेवाओं के विकास की सुविधा प्रदान करें, संभावित रूप से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से ⁴⁴। उपयुक्त डिजिटल विपणन सेवाओं की आपूर्ति में एक अंतर मौजूद है। अनुकूलित समाधानों को प्रोत्साहित करने से एमएसएमई को वित्तीय और तकनीकी बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी।
- **आगे के भौगोलिक और आर्थिक अनुसंधान के लिए सिफारिशें:**
 - **सिफारिश:** भूमि उपयोग परिवर्तन, आजीविका विविधीकरण और प्रवासन पैटर्न के संदर्भ में स्थानीय समुदायों पर नई भोजला मंडी और औद्योगिक शहर के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को ट्रैक करने के लिए अनुदैर्घ्य अध्ययन करें। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के दीर्घकालिक प्रभाव होते हैं। अनुदैर्घ्य अध्ययन उनकी प्रभावशीलता और अनपेक्षित परिणामों के अनुभवजन्य प्रमाण प्रदान करते हैं, जिससे भविष्य की नीति को सूचित किया जा सके।
 - **सिफारिश:** मूल्य संवर्धन और बाजार विस्तार के लिए बाधाओं और अवसरों की पहचान करने के लिए प्रमुख कृषि वस्तुओं और स्थानीय औद्योगिक उत्पादों (जैसे, रेशम, सॉफ्ट खिलौने) के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तृत स्थानिक विश्लेषण करें। विशिष्ट आपूर्ति श्रृंखलाओं को भौगोलिक रूप से समझना अक्षमताओं और हस्तक्षेप के क्षेत्रों को इंगित करने में मदद करता है, जिससे अधिक लक्षित विकास रणनीतियाँ बनती हैं।
 - **सिफारिश:** विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में एफपीओ की प्रभावशीलता और क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत होने की उनकी क्षमता का अनुसंधान करें, उनकी भौगोलिक पहुँच और संगठनात्मक क्षमता पर विचार करें। एफपीओ एक प्रमुख नीतिगत साधन हैं। उनकी स्थानिक प्रभावशीलता का मूल्यांकन सफल मॉडलों को कैसे बढ़ाया जाए और क्षेत्रीय असमानताओं को कैसे दूर किया जाए, इसमें अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

Works cited

1. About District | District Jhansi, Government of Uttar Pradesh | India, accessed on August 10, 2025, <https://jhansi.nic.in/about-district/>
2. Brief Industrial Profile of Jhansi District - DCMSME, accessed on August 10, 2025, <https://dcmsme.gov.in/dips/2016-17/DIP%20Jhansi%20Jagadish%20Sahu%20AD%207.6.2016.pdf>
3. Socio-economic statistical data of Jhansi District ... - Districts of India, accessed on August 10, 2025, <https://www.indiastatdistricts.com/uttarpradesh/jhansi-district>
4. Jhansi - Wikipedia, accessed on August 10, 2025, <https://en.wikipedia.org/wiki/Jhansi>
5. Welcome Krishi Vigyan Kendra, Jhansi, accessed on August 10, 2025, <https://jhansi.kvk4.in/>
6. History | District Jhansi, Government of Uttar Pradesh | India, accessed on August 10, 2025, <https://jhansi.nic.in/history/>
7. Visit Jhansi the land of valor - Incredible India, accessed on August 10, 2025, <https://www.incredibleindia.gov.in/en/uttar-pradesh/jhansi>
8. ऐतिहासिक | जनपद झाँसी, उत्तर प्रदेश सरकार | India - Jhansi, accessed on August 10, 2025, <https://jhansi.nic.in/hi/tourist-place-category/%E0%A4%90%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B8%E0%A4%BF%E0%A4%95-hi/>

9. Jhansi | Encyclopedia.com, accessed on August 10, 2025, <https://www.encyclopedia.com/reference/encyclopedias-almanacs-transcripts-and-maps/jhansi>
10. भारतीय रेशम उद्योग से झाँसी के संबंध को समझना, accessed on August 10, 2025, <https://www.pratinidhimanthan.com/business/jhansi-indian-silk-industry>
11. झाँसी | एक जनपद एक उत्पाद उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट - ODOP, accessed on August 10, 2025, <https://odopup.in/hi/article/jhansi>
12. Economic Snapshot | Official Website of Invest UP, Government of Uttar Pradesh, India, accessed on August 10, 2025, <https://invest.up.gov.in/economic-snapshot/>
13. (PDF) Financial Performance Analysis of MSMEs (Special ..., accessed on August 10, 2025, https://www.researchgate.net/publication/389769610_Financial_Performance_Analysis_of_MSMEs_Special_Reference_to_Jhansi_District_of_Bundelkhand_Region
14. Uttar Pradesh's Yogi Adityanath govt plans to develop another Noida in Jhansi, accessed on August 10, 2025, <https://m.economictimes.com/news/india/uttar-pradeshs-yogi-adityanath-govt-plans-to-develop-another-noida-in-jhansi/articleshow/103632013.cms>
15. RURAL OUTMIGRATION FROM BUNDELKHAND REGION OF ..., accessed on August 10, 2025, <https://apgin.org/wp-content/uploads/2022/03/42-2-5-Anamika.pdf>
16. Jhansi Mandi in Kanpur Road,Jhansi - Markets near me in Jhansi - Justdial, accessed on August 10, 2025, https://www.justdial.com/Jhansi/Jhansi-Mandi-Near-Bus-Stand-Kanpur-Road/9999PX10-X510-170603171051-Z2Y9_BZDET
17. Marketing Agencies in Jhansi - Page 2 - Justdial, accessed on August 10, 2025, <https://www.justdial.com/Jhansi/Marketing-Agencies/nct-10312406/page-2>
18. Jhansi News : झाँसी में फल और सब्जी के लिए बनेंगी 310 दुकानें, जानिए ..., accessed on August 10, 2025, <https://www.patrika.com/jhansi-news/jhansi-news-310-shops-fruits-and-vegetables-will-be-allotted-8222462>
19. Top Advertising Agencies in Jhansi - Justdial, accessed on August 10, 2025, <https://www.justdial.com/Jhansi/Advertising-Agencies/nct-10007546>
20. UP के शहर झाँसी का अपना निजी औद्योगिक पार्क | UP This Hour - YouTube, accessed on August 10, 2025, <https://www.youtube.com/watch?v=ctoo16tnfWw>
21. Top Onion Distributors in Jhansi - Best Onion Distribution Centers - Justdial, accessed on August 10, 2025, <https://www.justdial.com/Jhansi/Onion-Distributors/nct-10343456>
22. Rice in Jhansi, चावल, झाँसी - Latest Price & Mandi Rates from Dealers in Jhansi - IndiaMART, accessed on August 10, 2025, <https://dir.indiamart.com/jhansi/rice.html>
23. What are the problems faced by Agri Markets in India? - Book My Crop, accessed on August 10, 2025, <https://www.bookmycrop.com/blog-details/what-are-the-problems-faced-by-agri-markets->

[in-india](#)

24. Home Page - OnlineUPSIDA, accessed on August 10, 2025, <https://beta.upsidamarketplace.com/>
25. झांसी में ₹328 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करते मुख्यमंत्री जी, accessed on August 10, 2025, <https://www.youtube.com/watch?v=EOMKK4bS1nY>
26. Uttar Pradesh Food Processing Industry Policy 2023 - Invest UP, accessed on August 10, 2025, <https://invest.up.gov.in/uttar-pradesh-food-processing-industry-policy-2023/>
27. Uttar Pradesh Food Processing - Invest UP, accessed on August 10, 2025, https://invest.up.gov.in/wp-content/uploads/go/Invest%20In%20UP_Food%20Processing%20Sector.pdf
28. झांसी में गेहूँ का मंडी भाव आज का - Commodity Online, accessed on August 10, 2025, <https://www.commodityonline.com/hi/mandibhav/wheat/uttar-pradesh/jhansi>
29. कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय, उ. प्र., accessed on August 10, 2025, <https://www.upkrishivipran.in/>
30. Agri Commodities Rate Today In Jalaun - Live Market Prices And ..., accessed on August 10, 2025, <https://www.kisandeals.com/mandiprices/ALL/ALL/JALAUN>
31. झांसी में कृषि क्रांति: दलहनी फसलों की बुआई में नए रिकॉर्ड, बड़ी यूरिया सप्लाई | Patrika News, accessed on August 10, 2025, <https://www.patrika.com/jhansi-news/agricultural-revolution-in-jhansi-new-records-in-sowing-of-pulse-crops-8622622>
32. Jhansi News: झाँसी की अदरक मंडी में व्यापारियों का उत्पीड़न: विरोध में सैकड़ों किसानों का प्रदर्शन, एक किसान की बिगड़ी तबियत, बेहोश होकर गिरा - Newstrack, accessed on August 10, 2025, <https://newstrack.com/uttar-pradesh/jhansi/jhansi-ginger-market-trader-exploitation-farmers-protest-one-unconscious-524411>
33. Agriculture Jobs In Jhansi 2025-26 Job Vacancy, India - Recruitment | Careers - Quikr, accessed on August 10, 2025, <https://www.quikr.com/jobs/agriculture-jobs-in-jhansi+zwqxj2726005330>
34. Seeds company agriculture Jobs in Jhansi - August 2025 - Current vacancies on Jooble.co.in, accessed on August 10, 2025, <https://in.jooble.org/jobs-seeds-company-agriculture/Jhansi>
35. सब्जियों के लिए कमीशन एजेंट - झांसी - Justdial, accessed on August 10, 2025, <https://www.justdial.com/hi/Jhansi/Commission-Agents-For-Vegetable/nct-10107520>
36. 1 1. Introduction Agriculture and allied activities are the backbone of ..., accessed on August 10, 2025, <https://www.nabard.org/auth/writereaddata/careernotices/0810181214Jhansi-ADS-Dairy.pdf>
37. श्याम सुंदर बने क्षेत्र में जैविक खेती के आइकॉन, सरकारी नौकरी छोड़ जैविक खेती को दिया बढ़ावा, 40 लाख का टर्नओवर - Khaskhabar.com, accessed on August 10, 2025, <https://www.m.khaskhabar.com/news/news-shyam-sunder-became-an-icon-of-organic-farming-in-the-region-quit-his-government-job-to-promote-organic-farming-turnover-of-40-lakhs-news->

hindu-1-743190-KKN.html

38. Human Development Report Bundelkhand 2012, accessed on August 10, 2025, <https://www.undp.org/sites/g/files/zskgke326/files/migration/in/ddc2f6b9fe1fa9264eb1ce29cd6c16044624c79125802f44c76e5e31f9c17da7.pdf>
39. झांसी में खाद की किल्लत से किसान परेशान, पीसीएफ केंद्रों के बाहर लंबी कतारें - ETV Bharat, accessed on August 10, 2025, <https://www.etvbharat.com/hindi/uttar-pradesh/state/jhansi/fertilizer-shortage-increased-in-jhansi/up20221211165253250250682>
40. कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय, उ०प्र०, accessed on August 10, 2025, <https://www.upkrishivipran.in/KaryaPradali.aspx>
41. डीएम ने अधिकारियों को कराया जिम्मेदारी का अहसास,मंडी सचिव को लगाई फटकार - CnewsBharat, accessed on August 10, 2025, <https://cnewsbharat.com/hindi/news/jhansi-news-105815>
42. 2020–2021 Indian farmers' protest - Wikipedia, accessed on August 10, 2025, https://en.wikipedia.org/wiki/2020%E2%80%932021_Indian_farmers%27_protest
43. Indian farmers vow to intensify protests after talks fail again - Al Jazeera, accessed on August 10, 2025, <https://www.aljazeera.com/news/2020/12/5/indian-farmers-vow-to-intensify-protests-after-talks-fail-again>
44. (PDF) Challenges Faced by Indian MSMEs in Adoption of Internet Marketing and E-Commerce - ResearchGate, accessed on August 10, 2025, https://www.researchgate.net/publication/354829772_Challenges_Faced_by_Indian_MSMEs_in_Adoption_of_Internet_Marketing_and_E-Commerce
45. What 'Really' Happened In Jhansi? - Peepul Tree, accessed on August 10, 2025, <https://www.peepultree.world/livehistoryindia/story/religious-places-/what-really-happened-in-jhansi>